पाठ-9 एक माँ की बेबसी

1. शब्दार्थ :-

चिंतित - परेशान
अदृश्य - जो ना दिखे
अजूबा - अनोखा
भयभीत - डरा हुआ
निहारना - एक टुक देखना
बेहतर - अच्छी तरह
छटपटाहटों - बेचैनी
बेबसी - लाचारी
इशारों - संकेतों
भिन्न - अलग

2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दो ।

न जाने किस अदृश्य पड़ोस से
निकल कर आता था वह
खेलने हमारे साथ -
रतन, जो बोल नहीं सकता था
खेलता था हमारे साथ
एक टूटे खिलौने की तरह
देखने में हम बच्चों की ही तरह
था वह भी एक बच्चा ।
लेकिन हम बच्चों के लिए अजूबा था
क्योंकि हमसे भिन्न था ।

प्रश्नोत्तर :-

क) रतन कहाँ से खेलने आता था ?
A) पास के पड़ोस से
B) किसी दूसरी जगह से
C) किसी अदृश्य पड़ोस से
D) किसी अपरिचित घर से

ख) इन पंक्तियों के कवि कौन हैं ?
A) मोहन प्रताप सिंह
B) शिवमंगल सिंह सुमन
C) नागार्जुन
D) कुँवर नारायण

ग) कवि ने रतन को क्या क्या कहा है ?

A) एक मूर्ख लड़का

B) एक टूटा खिलौना

C) एक भयभीत लड़का

D) एक बेबस लड़का

घ) बाकि सभी बच्चों के लिए रतन क्या था ?

A) एक खिलाड़ी

B) एक नमूना

C) एक अजूबा

D) एक दोस्त

ङ) एक माँ की बेबसी कविता में कैसे बच्चे के बारे में बताया गया है ?

A) एक दिव्यांग बच्चे के बारे में

B) एक साधारण बच्चे के बारे में

C) एक मेहनती बच्चे के बारे में

D) इनमें से कोई भी नहीं

3. वाक्य रचना करो ।

क) पड़ोस - ____

ख) खिलौना - ____

ग) अजूबा - ____

घ) इशारा - ____

ङ) निहारना - ____

**** Do all the work in your Hindi (Lit) copy and send the work by making Pdf in our <u>Std – V (Hindi 2nd Lang)</u> group.**